डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–31
दिनांक–मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.9 एवं 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.9 एवं दोपहर में 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 अप्रैल, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 अप्रैल, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार मे आसमान साफ एवं मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है। जवकि न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर अगले एक दो दिनों तक लू (गर्म हवा, सामान्य से अधिक तापमान के प्रभाव से) चलने का अनुमान है।
- औसतन 8 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से 22–23 अप्रैल को पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 40 से 50 प्रतिशत तथा दोपहर में 10 से 20 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।
- विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद् की फसलों में निकाई–गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुंडिया की निगरानी करें। इनके सुंडियो के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते है। यह मूंग एवं उरद् के पौधों के कोमल भागों विषेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी–कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक–थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान 50 ई0सी0 दवा का 2 मि0ली0/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2.5 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिडकाव करें।
- ओल की फसल की रोपाई शीघ्र संपन्न करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु स्पिरोटेट्रामैट 30 ई0सी0दवा का 0.5 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से छिडकाव करें। आम के बगीचों में नमी बनाये रखें।
- गर्मीयो में दुधारू पशुओं को सुखा चारा की मात्रा कम दें और दाना की मात्रा बढ़ा दें। दाना में तिलहन अनाज का प्रयोग करें। चारा दाना प्रातः 5:00 बजे और शाम में धुप खत्म होने के बाद ही दें। साफ ठंढ़ा पानी पुरे समय दें। प्रत्येक व्यस्क पषुओं को 50 ग्रम खनीज – विटामिन मिश्रण एवं 50 ग्रम नमक दें। किलनी एवं अठगोढ़वा के नियंत्रण के लिए फ्लूमेथ्रीन इप्रीनोमेक्टीन या अमितराज दवाओं का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 40.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 21.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी